BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

स्वस्थ भारत के लिए महिलाओं और परिवारों का सशक्त बनाना

सितंबर 16, 2025

मुख्य बातें

- स्वस्थ **नारी सशक्त परिवार अभियान** आयुष्मान आरोग्य मंदिरों **और** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों **में** 1,00,000 स्वास्थ्य शिविर **लगाएगा**।
- इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे **एनीमिया**, **उच्च रक्तचाप**, **मधुमेह** और **कैंसर के लिए व्यापक जांच सुनिश्चित करना है**।
- अभियान के प्रमुख उद्देश्यों में से एक मातृ **और शिशु मृत्यु दर को कम करने** के लिए **टीकाकरण** प्रयासों और **पोषण संबंधी लाभों का समर्थन करना है**।
- अभियान का उद्देश्य पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए **सशक्त** पोर्टल के माध्यम से वास्तविक समय की निगरानी पर काम करना है।
- स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान **के** प्रमुख घटकों में से एक के रूप में सामुदायिक सहायता प्रणाली है, जिसमें **निक्षय मित्र** देश भर में योजना के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

परिचय

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान (**एसएनएसपीए**) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय **द्वारा एक ऐतिहासिक पहल है**, **जिसमें महिला और बाल विकास मंत्रालय** प्रमुख सहयोगी है, जिसका उद्देश्य पहुंच, गुणवत्ता देखभाल और जागरूकता में सुधार पर ध्यान देने के साथ पूरे भारत में महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। जनभागीदारी अभियान के रूप में वर्णित *यह* अभियान समावेशी स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के लिए निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य क्षेत्र के पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

इस अभियान का उद्घाटन **17 सितंबर, 2025 को** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी **द्वारा** उनके **75वें जन्मदिन पर किया जाएगा**, जो सशक्त समुदायों के लिए उनके दृष्टिकोण के अनुरूप है।

अभियान आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों **और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में 1,00,000 स्वास्थ्य शिविरों** के आयोजन पर जोर देता है[1]। इन शिविरों को विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य

[1] https://www.newsonair.gov.in/pm-modi-to-launch-swasth-nari-sashakt-parivar-abhiyaan-on-september-17/

संबंधी खास जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया जाएगा, जिससे पोषण, स्वास्थ्य जागरूकता और समग्र पारिवारिक कल्याण को बढ़ावा मिलेगा।

यह अभियान स्वस्थ परिवारों के निर्माण के सरकार के व्यापक लक्ष्य का समर्थन करता है और समावेशी विकास के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ तालमेल बिठाता है, मातृ और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों में पहुंच और स्थिरता को बढ़ाने के लिए आंगनवाड़ियों जैसे प्लेटफार्मों का लाभ उठाता है।

पृष्ठभूमि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी **द्वारा शुरू किया** गया व्यापक **स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान (एसएनएसपीए)** एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य अभियान है जो **2 अक्टूबर, 2025 को गांधी जयंती तक चलेगा**।

यह स्वच्छ भारत अभियान **जैसे परिवर्तनकारी सरकारी कार्यक्रमों की विरासत पर आधारित** है, जो मातृ और शिशु स्वास्थ्य को लेकर कमियों को दूर करने के लिए राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य और स्वच्छता अभियान का लाभ उठाता है। पहले कराए गए राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षणों में इन्हें चिन्हित किया गया था।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान रणनीतिक रूप से मौजूदा सरकारी योजनाओं जैसे मिशन **शक्ति** और **पोषण 2.0** महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य महिलाओं और बच्चों में कुपोषण को दूर करना है।

उद्देश्यों

व्यापक जांच और सेवाओं के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान (**एसएनएसपीए**) महिलाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यापक स्वास्थ्य जांच और सेवाएं प्रदान करके उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है। स्वास्थ्य शिविरों और अन्य संबंधित पहलों के माध्यम से, अभियान उच्च **रक्तचाप**, **एनीमिया**, **प्रजनन स्वास्थ्य मुद्दों**, स्तन **और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर**, **मधुमेह, तपेदिक** (**टीबी**) और जनजातीय क्षेत्रों में विशेष कॉन्सिलिंग के जरिए सीकल सेल बीमारियों की जांच कराई जाती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय **द्वारा समर्थित इन सेवाओं का** उद्देश्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षणों में पहचानी गई कमियों को दूर करना, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए शीघ्र पहचान और उपचार सुनिश्चित करना है।

इस पहल में जिला अस्पतालों द्वारा समर्थित स्त्री रोग विशेषज्ञ, सर्जन और दंत चिकित्सक जैसे विशेषज्ञ शामिल हैं, ताकि राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में पहचानी गई स्वास्थ्य असमानताओं को दूर करते हुए सटीक निदान और अनुवर्ती देखभाल सुनिश्चित की जा सके।

मातृ और शिशु देखभाल के माध्यम से परिवार की भलाई को बढ़ावा

एसएनएसपीए पोषण 2.0 जैसी पहलों के साथ एकीकृत करते हुए परिवार की भलाई पर जोर देने के लिए मातृ और शिशु देखभाल पर ध्यान केंद्रित करता है। यह अभियान स्वास्थ्य की प्रगति की निगरानी के लिए प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) जांच, परामर्श और मातृ एवं बाल संरक्षण (एमसीपी) कार्डों का वितरण करके मातृ एवं बाल स्वास्थ्य को मजबूत करता है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए टीकाकरण सेवाएं एक प्रमुख फोकस हैं, जो पोषण 2.0 के अनुरूप आंगनवाड़ियों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाती हैं। निवारक देखभाल और पोषण जागरूकता पर ध्यान देने के साथ, एसएनएसपीए का उद्देश्य मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करना है। इस प्रकार यह प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 विजन के अनुरूप सशक्त परिवारों के निर्माण के बड़े लक्ष्य में योगदान देता है।

शिक्षा के माध्यम से व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा

यह अभियान मासिक धर्म स्वच्छता, संतुलित पोषण और समग्र कल्याण जैसे स्वास्थ्य से जुड़े आवश्यक मुद्दों पर समुदायों को शिक्षित करके व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देता है। पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ियों में कार्यशालाओं और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से, स्वस्थ नारी

सशक्त परिवार अभियान (एसएनएसपीए) महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के लिए ज्ञान प्रदान करता है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और सामुदायिक हस्तियों द्वारा सहज, इस शिक्षा का उद्देश्य वर्जनाओं को तोड़ना, स्वच्छता प्रणालियों को बढ़ावा देना और महिलाओं और उनके परिवारों के बीच स्वास्थ्य संबंधी स्थायी व्यवहार को प्रोत्साहित करना है।

इसके अतिरिक्त, यह अभियान **मिशन के समग्र उद्देश्य का समर्थन करने, राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्यों में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने और स्थायी स्वास्थ्य संबंधी प्रणालियों को सुनिश्चित** करने के लिए निक्षय मित्र के नामांकन को बढ़ावा देता है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान (एसएनएसपीए) एक जनभागीदारी अभियान को बढ़ावा देकर सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता है, निजी अस्पतालों, स्थानीय नेताओं और नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा समर्थित जन जागरूकता अभियान**, लक्षित मीडिया आउटरीच और समुदाय-स्तरीय जुड़ाव के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। समुदायों को शामिल करके, एसएनएसपीए एक स्वस्थ, अधिक सशक्त समाज बनाने के लिए स्थायी प्रभाव सुनिश्चित करता है।

कार्यान्वयन की रणनीति

तत्क्षण निगरानी सहित राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य शिविर

- एसएनएसपीए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 1,00,000 स्वास्थ्य शिविर चलाएगा, जिन्हें **प्रगति और संसाधन आवंटन पर तत्क्षण अपडेट के लिए** सशक्त पोर्टल के माध्यम से समन्वित और ट्रैक किया जाएगा।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रबंधित यह डिजिटल प्लेटफॉर्म पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करता है, हितधारकों को शिविर गतिविधियों, उपस्थिति और परिणामों की निगरानी करने में सक्षम बनाता है, जिससे राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में पहचाने गए महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण में अंतराल को दूर किया जा सके।

स्व-सत्यापन के माध्यम से स्वास्थ्य कार्यकर्ता की जवाबदेही

- एक स्व-सत्यापन प्रणाली चिकित्सा अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ), बहुउद्देशीय कार्यकर्ताओं (एमपीडब्ल्यू), और मान्यताप्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) सहित स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को शामिल करती है, ताकि जवाबदेही और प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जा सके।
- सशक्त पोर्टल **के साथ एकीकृत यह प्रणाली** श्रमिकों को अपनी गतिविधियों की रिपोर्ट करने और यह सुनिश्चित करने की अनुमति देती है कि स्क्रीनिंग, टीकाकरण और परामर्श जैसी सेवाएं जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से की जाएं।

जागरूकता के लिए मल्टी-प्लेटफॉर्म आउटरीच

- एसएनएसपीए का उद्देश्य जन जागरूकता और भागीदारी को अधिकतम करने के लिए दूरदर्शन, **ऑल इंडिया रेडियो** (एआईआर) और सोशल मीडिया अभियानों का लाभ उठाना है। आंगनवाड़ियों में पोषण माह गतिविधियों के साथ जुड़े ये मंच महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता पर प्रमुख संदेशों को बढ़ावा देते हैं।
- राष्ट्रीय मीडिया नेटवर्क का उपयोग करके, अभियान यह सुनिश्चित करता है कि इसके उद्देश्य शहरी और ग्रामीण दोनों आबादी तक पहुंचे, जिससे व्यापक जुड़ाव को बढ़ावा मिले।

स्वयंसेवक और निक्षय मित्र कार्यक्रम

- यह अभियान निक्षय मित्रों और स्वयंसेवकों के **माध्यम से भागीदारी का विस्तार करता** है, जो तपेदिक उन्मूलन के प्रयासों और सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़ी पहलों का समर्थन करते हैं।
- स्वैच्छिक संगठनों और **भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी** के साथ सहयोग, विशेष रूप से रक्तदान शिविरों के लिए, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाता है। 'जन भागीदारी अभियान' मॉडल में निहित यह दृष्टिकोण, स्थानीय समर्थन और संसाधन जुटाकर स्थायी प्रभाव सुनिश्चित करता है।

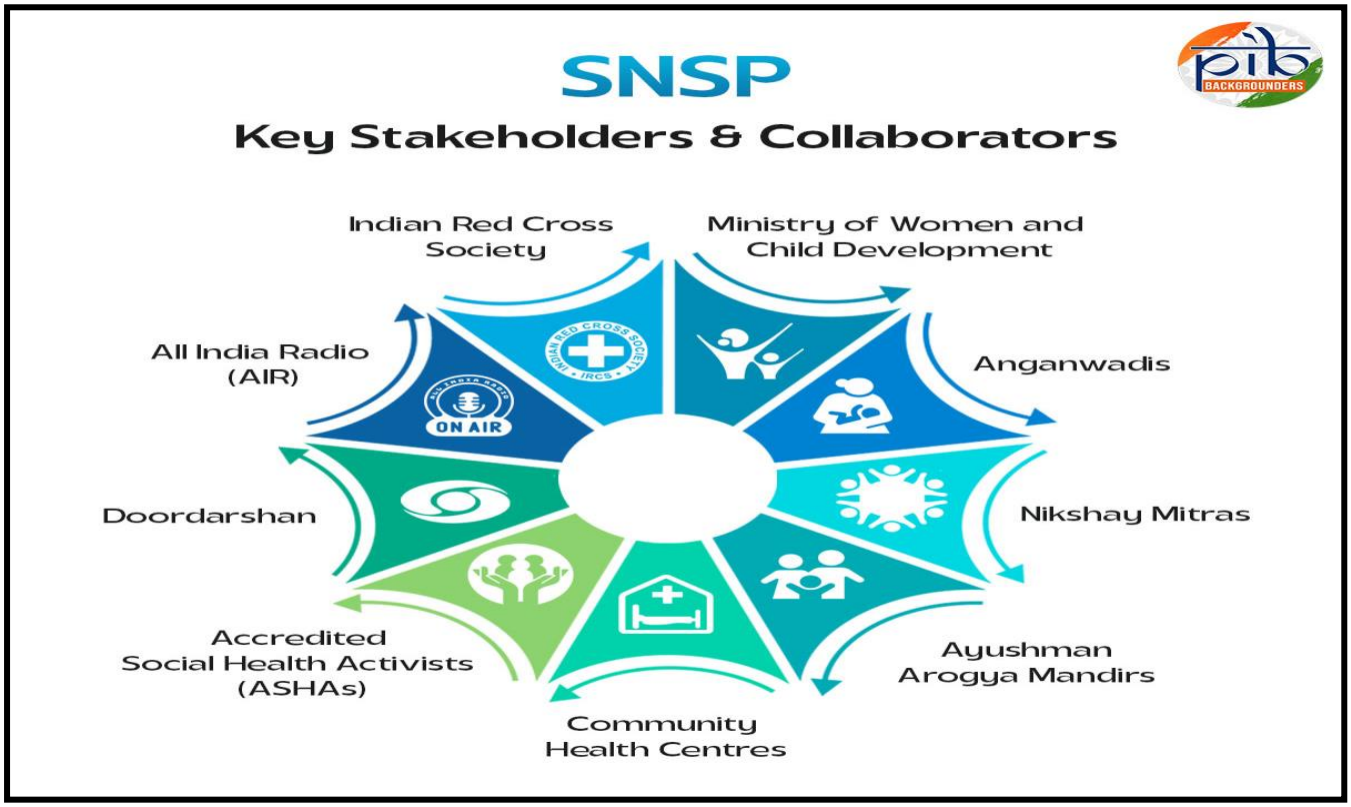

प्रभाव और अपेक्षित परिणाम

उन्नत स्वास्थ्य मेट्रिक्स

- विशेष रूप से **स्वास्थ्य शिविरों में प्रदान की जाने वाली व्यापक प्रसवपूर्व देखभाल, जांच और टीकाकरण के माध्यम से** मातृ मृत्यु दर को कम करके स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान (एसएनएसपीए) से

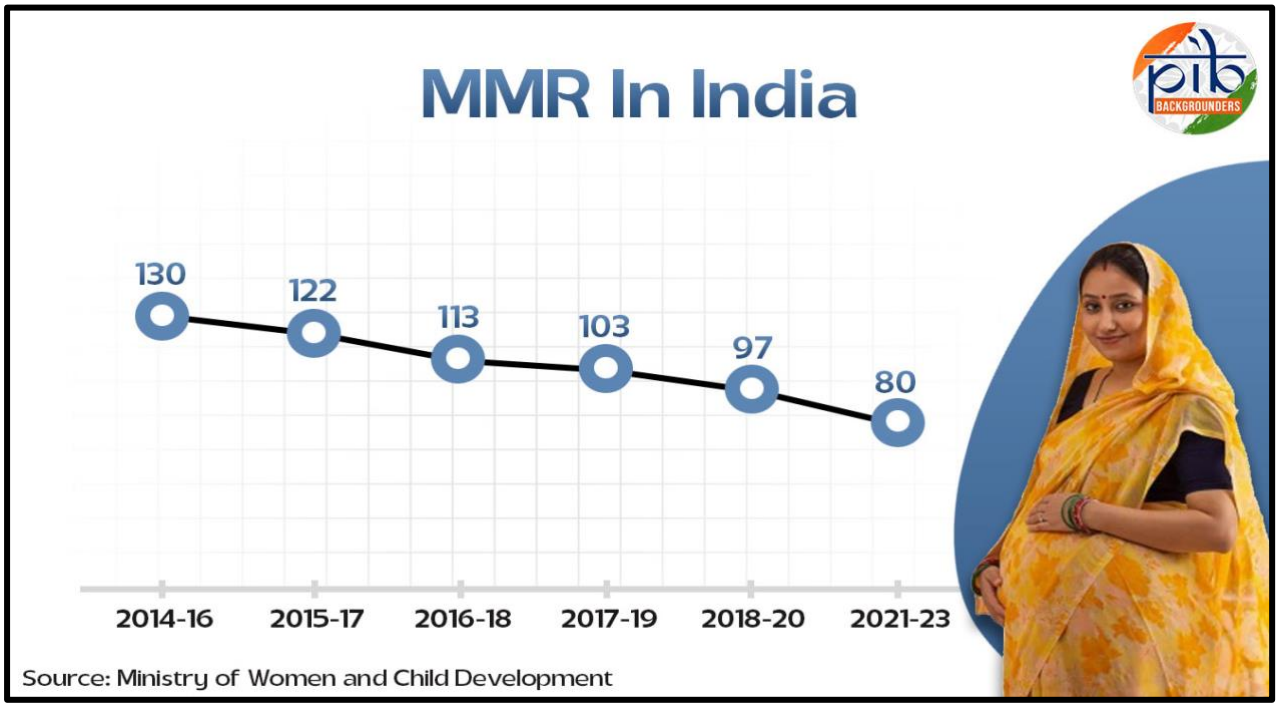

प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों में काफी सुधार होने की उम्मीद है।

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय **द्वारा उजागर किए गए** एनीमिया, उच्च रक्तचाप और मधुमेह **जैसी स्थितियों का शीघ्र पता लगाने पर अभियान का ध्यान केंद्रित** करने का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षणों में पहचानी गई कमियों को दूर करना, पूरे भारत में महिलाओं और बच्चों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करना है।

स्वच्छता और कल्याण के बारे में जागरूकता में वृद्धि

- इस अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ियों में पोषण माह के दौरान आयोजित शैक्षिक **सत्रों** के माध्यम से महिलाओं और परिवारों के बीच **मासिक धर्म स्वच्छता**, **पोषण** और **समग्र कल्याण** के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।
- दूरदर्शन और आकाशवाणी जैसे प्लेटफार्मों का लाभ उठाकर, एसएनएसपीए स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए स्थायी व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा समर्थित ये प्रयास, समुदायों को दीर्घकालिक कल्याण के लिए आवश्यक ज्ञान के साथ सशक्त बनाते हैं।

वंचित क्षेत्रों में विस्तारित स्वास्थ्य सेवा पहुंच

- **स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान** (एसएनएसपीए) का उद्देश्य **विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं (जैसे, स्त्री रोग विशेषज्ञ, सर्जन) को तैनात करके और** भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से **रक्तदान अभियान आयोजित करके** ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को बढ़ाना है।

- आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा समर्थित, अभियान का उद्देश्य सिकल सेल रोग **(एससीडी) और** तपेदिक (टीबी) **के लिए लक्षित परामर्श के माध्यम से विशेष रूप से आदिवासी समुदायों के लिए समान स्वास्थ्य सेवा वितरण सुनिश्चित करना है**। यह मिशन शक्ति जैसी योजनाओं के तहत समावेशी स्वास्थ्य कवरेज के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

अन्य प्रासंगिक योजनाएं

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके)

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 2014 में विस्तारित जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) ने प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर सभी जटिलताओं के लिए व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए अपने कवरेज को व्यापक बनाया।
- यह कार्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि विशेष रूप से प्रसव के बाद पहले 48 घंटों के भीतर मातृ और नवजात स्वास्थ्य के परिणामों में सुधार के लिए माताओं और नवजात शिशुओं को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।
- 2014-15 में अपने विस्तार के बाद से, जेएसएसके **16.60 करोड़ से अधिक लाभार्थियों**[2] तक पहुंच गया है, जो मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है, जिससे परिवारों के लिए जेब से होने वाले खर्चों में काफी कमी आई है। वित्तीय बाधाओं को दूर करके, इस पहल ने पूरे भारत में गुणवत्तापूर्ण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को मजबूत किया है।

जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई)

- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) के अनुरूप, **जननी सुरक्षा योजना** (जेएसवाई**) ने** मार्च 2025 तक **11.07 करोड़ से** अधिक लाभार्थियों **का समर्थन किया है**[3]। गुणवत्तापूर्ण वितरण सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय सहायता मिलने से जननी शिशु सुरक्षा पहल काफी आगे बढ़ी है।
- जननी सुरक्षा योजना, एक सशर्त नकद अंतरण योजना है, जो ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आर्थिक रूप से वंचित गर्भवती महिलाओं के बीच संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करती है। वित्तीय बाधाओं को दूर करके, कार्यक्रम सुरक्षित प्रसव प्रथाओं को प्रोत्साहित करता है, माताओं और नवजात शिशुओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणामों में योगदान देता है।

सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन)

- **सुरक्षित मातृत्व आश्वासन** (**सुमन**) पहल गर्भवती महिलाओं, बीमार नवजात शिशुओं और प्रसव के छह महीने बाद तक माताओं के लिए व्यय मुक्त, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है।
- यह प्रमाणित सुविधाओं में प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा प्रदान की जाने वाली सम्मानजनक और आसान देखभाल सुनिश्चित करता है, मातृ और नवजात स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाता है।

[2] https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=154585&ModuleId=3

[3] https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=154585&ModuleId=3

As on March 2025, 90,015 SUMAN-certified health facilities have been notified across India, ensuring widespread access to comprehensive maternal and neonatal care .

मिशन इंद्रधनुष

- 25 दिसंबर, 2014 को शुरू किया गया, मिशन इंद्रधनुष एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल है जिसका उद्देश्य बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए टीकाकरण कवरेज बढ़ाना, उन्हें जानलेवा बीमारियों से बचाना है।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत, मिशन कमजोर **आबादी को रोकथाम योग्य बीमारियों से बचाने के लिए कवरेज अंतराल को दूर करके** सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) को मजबूत करता है।
- दिसंबर 2024 **तक**, **5.46 करोड़ से अधिक बच्चों** और **1.32 करोड़ गर्भवती महिलाओं का**[4] टीकाकरण किया जा चुका है।

[4] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2085204

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए)

- **प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान** (**पीएमएसएमए**) पहली तिमाही के दौरान चार व्यापक प्रसवपूर्व जांच की पेशकश करके मातृ स्वास्थ्य की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे उच्च जोखिम वाले गर्भधारण का समय पर पता लगाया जा सके।

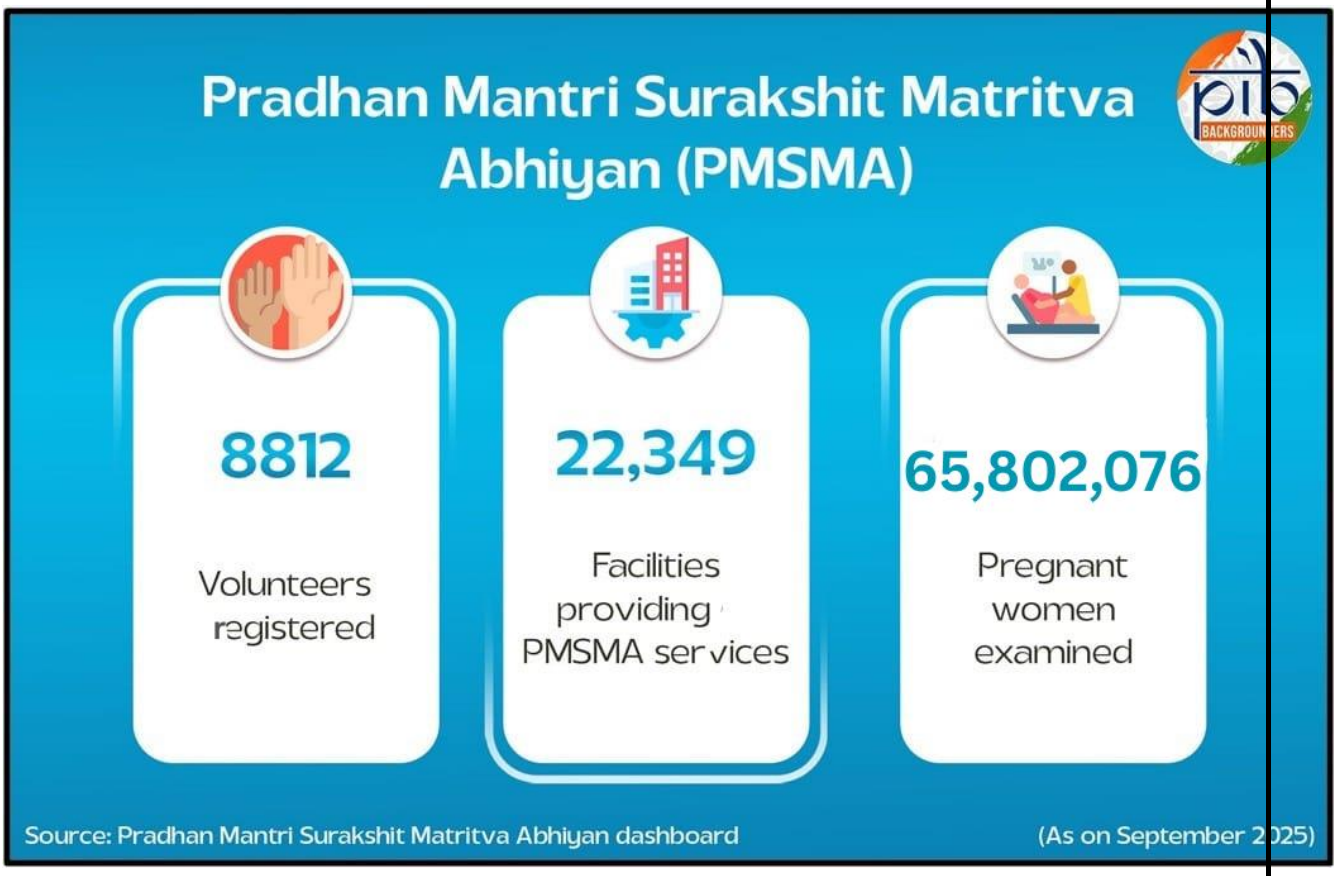

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई)

- 2017 में शुरू की गई, **महिला और बाल विकास मंत्रालय के नेतृत्व में** प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई), वंचित **गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं की सहायता के लिए** पहले बच्चे के लिए 5,000 रुपए का मातृत्व लाभ प्रदान करती है **(साथ ही जननी सुरक्षा योजना प्रोत्साहन, औसतन** 6,000 रुपए)।
- दूसरे बच्चे के लिए, यदि कोई लड़की है, तो पीएमएमवीवाई **6,000 रुपये प्रदान करता है**, जिसका उद्देश्य बालिका कल्याण को बढ़ावा देना, जन्म के समय लिंग अनुपात बढ़ाना और सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के बीच मातृ स्वास्थ्य में सुधार करना है।

जुलाई 2025 तक, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) ने **4.05 करोड़ से** अधिक लाभार्थियों[5] को मातृत्व लाभ प्रदान किया है।

सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान

- यह अभियान पोषण और स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ाने में उत्कृष्ट जमीनी स्तर के प्रयासों के लिए **शीर्ष 1,000 ग्राम पंचायतों** की पहचान करता है और उन्हें पुरस्कृत करता है।

[5] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2154106

- ये सुपोषित ग्राम पंचायतें मातृ और शिशु पोषण में समुदाय के नेतृत्व वाली प्रगति के अनुकरणीय मॉडल के रूप में काम करती हैं।

निष्कर्ष

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान (**एसएनएसपीए**) विकसित भारत 2047 की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखता है। व्यापक जांच, मातृ और शिशु देखभाल सेवाओं, व्यवहार शिक्षा और समुदाय-संचालित पहलों को एकीकृत करके, एसएनएसपीए न केवल स्वास्थ्य सेवा पहुंच और जागरूकता में महत्वपूर्ण कमियों को दूर करता है, बल्कि स्वच्छ भारत अभियान, मिशन शक्ति और पोषण 2.0 जैसे प्रमुख कार्यक्रमों की सफलता पर भी आधारित है। सरकारी मंत्रालयों, निजी हितधारकों और जमीनी स्तर के स्वयंसेवकों को शामिल करने वाले सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, अभियान स्थायी व्यवहार परिवर्तनों को बढ़ावा देता है, मातृ और बाल मृत्यु दर को कम करता है, और शहरी, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में समान स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ावा देता है। गांधी जयंती पर समापन, **स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान** समावेशी विकास प्रगति, महिलाओं को परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में सशक्त बनाने और भारत के परिवर्तनकारी विकास की दिशा में स्वस्थ, सशक्त परिवारों की नींव रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देता है।

संदर्भ:

पत्र सूचना कार्यालयः

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2154106

https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=154585&ModuleId=3

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2098857

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2085204

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालयः

https://www.sashakt-hwc.mohfw.gov.in/home

https://x.com/MoHFW_INDIA/status/1964977895815934026

महिला एवं बाल विकास मंत्रालयः

https://www.india.gov.in/women-empowerment-scheme-ministry-women-child-development?page=1

https://pmsma.mohfw.gov.in/

अन्यः

https://www.newsonair.gov.in/pm-modi-to-launch-swasth-nari-sashakt-parivar-abhiyaan-on-september-17/

***

पीके/केसी/एसकेएस/एचबी